परेशानी

प्लेटफॉर्म 3-4 पर घंटों खड़े खाली रैक बने परेशानी की वजह

आउटर पर अटक रहीं लंबी दूरी की ट्रेनें

जबलपुर। मुख्य रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 और 4 का लंबे समय तक खाली रैक खड़े करने के लिए इस्तेमाल किए जाने से रेल संचालन प्रभावित होने लगा है। यात्रियों का आरोप है कि इन प्लेटफॉर्मों पर दिनभर विभिन्न ट्रेनों के खाली रैक खड़े रहने के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों को प्लेटफॉर्म उपलब्ध नहीं हो पाता और उन्हें पुल नंबर-3 के आउटर पर इंतजार करना पड़ता है।

इससे यात्रियों का समय तो बर्बाद होता ही है, साथ ही उन्हें भीषण गर्मी और उमस में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बताया जा रहा है कि प्लेटफॉर्म 3 और 4 पर अक्सर जबलपुर-सिंगरौली, जबलपुर-इंदौर और जबलपुर-अजमेर सहित अन्य ट्रेनों के खाली रैक लंबे समय तक खड़े रहते हैं। रेलवे की इस व्यवस्था के चलते जब अन्य एक्सप्रेस और मेल ट्रेनें स्टेशन पहुंचती हैं तो उन्हें प्लेटफॉर्म खाली होने का इंतजार करना पड़ता है। कई बार ट्रेनें पुल नंबर-3 के आउटर सिग्नल पर

प्लेटफॉर्म क्रं-चार पर खड़ा जबलपुर-इंदौर एक्सप्रेस का खाली रैक

काफी देर तक खड़ी रहती हैं, जिससे यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है। रेलवे ऑडिट की पूर्व रिपोर्टों में भी यह उल्लेख किया गया है कि प्लेटफॉर्म और स्टेबलिंग क्षमता की कमी के कारण ट्रेनों को आउटर पर रोकना पड़ता है, जिससे संचालन प्रभावित होता है।

सुचारू रूप से होगा संचालन

सबसे अधिक परेशानी उन यात्रियों को होती है जिन्हें आगे दूसरी ट्रेन पकड़नी होती है या समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना होता है। आउटर पर ट्रेन खड़ी रहने से देरी बढ़ती जाती है और पूरी समय-सारिणी प्रभावित होती है। यात्रियों का कहना है कि यदि खाली रैक को यार्ड या अन्य निर्धारित स्टेबलिंग लाइन में समय पर भेजा जाए तो प्लेटफॉर्म खाली रहेंगे और ट्रेनों का आवागमन अधिक सुचारु ढंग से हो सकेगा।

विकल्प सुनिश्चित हो

रेल यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि प्लेटफॉर्मों पर अनावश्यक रूप से खाली रैक खड़े रखने की व्यवस्था की समीक्षा की जाए तथा वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि विश्वस्तरीय सुविधाओं की दिशा में आगे बढ़ रहे जबलपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म प्रबंधन भी उसी स्तर का होना चाहिए, ताकि ट्रेनों की अनावश्यक लेटलतीफी कम हो और यात्रियों को राहत मिल सके।

पनागर की दो सौ साल पुरानी धरोहर स्कूल का स्थानांतरण टला

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने पनागर नगर की प्राचीन व ऐतिहासिक शासकीय वरिष्ठ बुनियादी शाला को दस किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र सिंगौद स्थानांतरित करने के कलेक्टर के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट के इस निर्णय से स्कूल के सैकड़ों विद्यार्थियों, स्वजनों और स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

दरअसल, पनागर स्थित यह शासकीय स्कूल 216 वर्षों से संचालित है और नगर की एक प्रमुख ऐतिहासिक धरोहर माना जाता है। जबलपुर निवासी नीलम श्रीवास्तव व अन्य ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। उनकी ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। कोर्ट ने सुनवाई के बाद स्कूल स्थानांतरण के आदेश पर अगली सुनवाई तक पूरी तरह रोक लगा दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी विद्यार्थी या स्वजन पर कोई प्रतिकूल कार्रवाई न की जाए। कोर्ट ने शासन को शपथ पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 17 अगस्त 2026 तय की है।

मेडिकल कॉलेज में बवाल : सुबह हड़ताल, शाम को एफआईआर

- देर रात कैजुअल्टी में महिला डॉक्टर से अभद्रता, रेजिडेंट्स को पीटा, भड़का आक्रोश
- एक्सीडेंट में घायल के साथ पहुंचे मरीज, परिजनों, दोस्तों ने मचाया उपद्रव

नवभारत, जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में बीती रात अस्पताल के आपातकालीन (कैजुअल्टी) में इलाज कर रहे जूनियर और रेजिडेंट डॉक्टरों पर एक्सीडेंट में घायल मरीज और उसके परिजनों, दोस्तों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने न सिर्फ डॉक्टरों के साथ बेरहमी से मारपीट की, बल्कि वहां मौजूद एक महिला डॉक्टर के साथ भी अभद्रता कर दी। इस घटना के बाद से पूरे मेडिकल कॉलेज परिसर में भारी आक्रोश भड़क गया। मंगलवार सुबह डीन कार्यालय के समक्ष बड़ी संख्या में चिकित्सकों ने एकत्र होकर धरना दे दिया और हड़ताल पर चले गए। हालांकि इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं चालू रखी गई ताकि किसी गंभीर मरीज का इलाज प्रभावित न हो। देर शाम 6:34 बजे मामले में आरोपियों के खिलाफ गढ़ा थाने में एफआईआर दर्ज की गई जिसके बाद डॉक्टर काम पर लौटे गए है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच मेडिकल कैजुअल्टी वार्ड में सर्जरी और ऑर्थोपेडिक्स (हड्डी रोग) विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान एक्सीडेंट में घायल मरीज आरुष पटेल पिता संतकुमार निवासी जय भवानी कालोनी सिहोरा का एक्सीडेंट हो गया था। जिन्हें लेकर उसके परिजन एवं दोस्त सामर्थ गुप्ता, अर्पित, आयुष गुप्ता, रामभूषण तिवारी, शिव पहुंचे थे। जिन्होंने डॉ. सचिन , डॉ. अमन गुप्ता, डॉ. शशि शेखर सिंह, डॉ प्रतीक अन्य के साथ अभद्रता शुरू कर दी। वार्ड के भीतर जबरन दाखिल होती ही विवाद शुरू कर दिया। इनमें से कुछ लोग शराब के नशे में धुत थे जो देखते ही देखते डॉक्टरों पर टूट पड़े थे। महिला डॉक्टर के साथ अभद्रता की गई। हड्डी-सर्जरी रोग विभाग के रेसीडेंट के साथ मारपीट की गई।

तलाश जारी, दूसरे पक्ष ने भी की शिकायत

गढा थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर मारपीट के मामले में आरुष पटेल, सामर्थ गुप्ता, अर्पित आयुष गुप्ता, रामभूषण तिवारी, एवं शिव के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। दूसरे पक्ष से भी शिकायत की गई है जांच जारी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

ये है मांग

डॉक्टरों ने मंगलवार सुबह डीन को मांग पर पत्र सौंपा। इसके बाद हड़ताल पर चले गए। डॉक्टरों की मांग थी कि आरोपियों के खिलाफ डॉक्टर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई जाए। पुलिस कस्टडी में उनकी त्वरित गिरफ्तारी सुनिश्चित हो। ड्यूटी पर मुस्तैद होने के बावजूद डॉक्टरों को अकेला छोड़ने वाले सुरक्षा गार्डों के मुख्य इंचार्ज को तत्काल बर्खास्त किया जाए।

भविष्य में डॉक्टरों पर होने वाले किसी भी हमले से निपटने के लिए एक इमरजेंसी रिस्पांस टीम बने, जो घटना के 2 घंटे के भीतर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करे। कैजुअल्टी में वार्ड के भीतर होने वाली भीड़भाड़ को रोकने के लिए एक मरीज के साथ केवल दो अटेंडर्स के प्रवेश का सख्त नियम लागू हो। कैजुअल्टी विभाग के ठीक बाहर महिला पुलिस बल और पेट्रोलिंग टीम के साथ एक स्थाई पुलिस चौकी स्थापित की जाए और गार्डों की संख्या बढ़ाई जाए।

इनका कहना है

मेडिकल कॉलेज अस्पताल की कैजुअल्टी में रात के वक्त मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अस्पताल में डॉक्टर्स के साथ इस तरह से कृत्य करना निंदनीय है। मेडिकल अस्पताल में ड्यूटी में तैनात सुरक्षा गार्डों, सुरक्षा इंजार्च पर भी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. नवनीत सक्सेना
डीन, मेडिकल कॉलेज जबलपुर

मेडिकल अस्पताल में सुरक्षा गार्ड को नौकरी पर रखने व निकालने की जिम्मेदारी एचएलएल हाईट्स कंपनी की है जिसे पत्र लिखा गया है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि विवाद के दौरान ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों व सुरक्षा इंचार्ज पर कार्रवाई कर उन्हें हटाया जाए। अब कंपनी के फैसले का इंतजार है अगर फैसला संतुष्टजनक नहीं रहेगा तो फिर उन कर्मचारियों की बर्खास्तगी की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डॉ. अरविंद शर्मा
अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज

एक्सीडेंट के बाद घायल को उसके परिजन अन्य मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे। चार से पांच युवक नशे में धुत थे जिन्होंने डॉक्टरों के साथ मारपीट व अभद्रता की । पुलिस ने रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर ली है आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

आशीष जैन, सीएसपी, गढ़ा

मंत्री गोविन्द पर सौ करोड़ की संपत्ति की जानकारी छिपाने का आरोप

- हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

जबलपुर। प्रदेश सरकार में मंत्री गोविंद सिंह के द्वारा अपने चुनावी नामांकन में सौ करोड़ रुपये की संपत्ति की जानकारी नहीं देने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका में राहत चाही गयी थी कि संपत्ति संपत्ति के संबंध में गलत जानकारी देने के कारण उनका निर्वाचन शून्य घोषित किया जाये।

हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखने के आदेश जारी किये है।

याचिकाकार्ता राजकुमार पटेल की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि उन्होने सुरखी विधानसभा सीट ने नामांकन दाखिल किया था। उनके नामांकन को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद वह एक आपराधिक प्रकरण में जेल में निरुद्ध हो गये। जिसके कारण वह भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह के निर्वाचन को चुनौती देते हुए चुनाव याचिका दायर नहीं कर सके।

याचिका में कहा गया था कि निर्वाचित विधायक गोविन्द सिह ने अपने नामांकन में पत्नी व अन्य परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज लगभग सौ करोड की भूमि की जानकारी अपने चुनावी हलफनामा में नही दी गयी है। अनावेदक विधायक की तरफ से हाईकोर्ट में प्रस्तुत जवाब में बताया गया कि उक्त भूमि सरकारी दस्तावेज में शिक्षा समिति के नाम पर दर्ज है, जिसकी अध्यक्ष उनकी पत्नी है। उनके भतीजे की तरफ से भी न्यायालय को बताया गया कि याचिकाकर्ता ने उसकी निजी भूमि को अनावेदक की बताई है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखने के आदेश जारी किये है।

जुलाई में 4 .96 मिलियन टन माल की ढुलाई

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जुलाई 2026 में 4.96 मिलियन टन ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग दर्ज की है। यह पिछले वर्ष जुलाई में हुई 4.34 मिलियन टन लोडिंग की तुलना में 14.28 प्रतिशत अधिक है। रेलवे मुख्यालय के अनुसार महाप्रबंधक के सतत मार्गदर्शन में मुख्यालय स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों के साथ जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों के वाणिज्य एवं परिचालन विभाग द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों का यह सकारात्मक परिणाम है। वहीं चालू वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों में कुल 20.27 मिलियन टन माल ढुलाई दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 18.74 मिलियन टन की तुलना में 8.16 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम मध्य रेलवे ने माल ढुलाई बढ़ाने के लिए नई रेल लाइनों, दोहरीकरण एवं तिहरीकरण कार्यों में तेजी लाने, रेल खंडों की क्षमता बढ़ाने, गुड्स टर्मिनलों की कार्यप्रणाली में सुधार, मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम करने, 24 घंटे लोडिंग-अनलोडिंग सुविधा उपलब्ध कराने तथा नए माल गोदामों और गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के विकास जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। व्यापारियों और ग्राहकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर रेलवे की प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

एक नजर में

यातायात कानून तोड़ने वालों पर कार्यवाही

नवभारत, जबलपुर। घमापुर थाना अंतर्गत सतपुला के पासचलित न्यायालय विशेष चौकिंग कार्यवाही की गई। इस दौरान यातायात कानून तोड़ने वालों के चालान काटे गए। जानकारी के अनुसार मंगलवार प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक घमापुर अंतर्गत सतपुला के पास चलित न्यायालय विशेष चौकिंग कार्यवाही के दौरान जेएमएफसी जबलपुर सुश्री रेणु खेस के नेतृत्व में बिना हेलमेट, बिना नंबर, सीट बेल्ट, तीन सवारी वाले चालकों, क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर वाहन चलाने, आगे की सीट पर सवारी बैठाने वाले आटो चालकों एवं कार में ब्लैक फिल्म लगाकर चलाने जैसे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत चालानी कार्यवाही करते हुये अर्थदंड से दंडित किया गया ।

4 फरार आरोपियों पर इनाम

जबलपुर। शहर के थानों में दर्ज अपराधों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ने ईनाम घोषित कर दिया है। विदित हो कि बेलबाग थाने में दर्ज प्रकरण में साहिल सोनकर, लकी सोनकर दोनों निवासी खटीक मोहल्ला बेलबाग एवं ओमती थाने में दर्ज प्रकरण में सपननाथ पिता सेमुअल नाथ पर चार-चार हजार रूपए एवं रांझी थाने में प्रकरण में राहुल चौधरी पिता मिथुन चौधरी 23 वर्ष निवासी मानेगांव की गिरफ्तारी पर तीन हजार रूपए का ईनाम घोषित किया गया।

सड़क हादसे में घायल की मौत

जबलपुर। खमरिया में हुए एक सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोना कश्यप 45 वर्ष निवासी नई बस्ती झंडा चौक रांझी का खमरिया में सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मोना कश्यप की मौत हो गई।

ननि जनसुनवाई : 85 शिकायतों का किया गया समाधान

नवभारत,जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों को बड़ी राहत मिली। जनसुनवाई में पहुंचे निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिकों की समस्याओं को न सिर्फ सुना, बल्कि अधिकारियों को मौके पर बुलाकर उनका तुरंत समाधान भी कराया।

मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 85 शिकायतें प्राप्त हुई। निगमायुक्त ने बिना समय गंवाए सभी शिकायतों को संबंधित विभागों के प्रमुखों को सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। विशेष रूप से राजस्व और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई संवेदनशील मामलों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर आवेदकों को तुरंत राहत पहुंचाई गई।

प्राप्त आवेदन क्रमश: 8 अतिक्रमण विभाग, 13 भवन शाखा, 3 स्वास्थ विभाग, 2 जल, 2 पी.एम.ए.व्हाय., 13 कॉलोनी सेल, 28 संपदा शाखा, 1 उद्यान विभाग, 1 एनयूएलएम, 1 कार्यालय अधीक्षक, 1 प्रकाश, 1 शिक्षा विभाग, 2 संभाग क्रमांक 01, 1 संभाग क्रमांक 02, 1 संभाग क्रमांक 03, 1 संभाग क्रमांक 05, 3 संभाग क्रमांक 10, 3 संभाग क्रमांक 15 एवं 1 संभाग क्रमांक 16 से जुड़े आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई की गई। वहीं संभाग स्तर पर नागरिकों द्वारा कुल 36 आवेदन प्रस्तुत किए गए। संभागीय अधिकारियों ने सभी 36 आवेदनों का मौके पर ही शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया।

आरपीएफ ने ऑटो चालकों पर की कार्रवाई

जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर पर यात्रियों की सुरक्षा, स्टेशन परिसर में भीड़-भाड़ पर नियंत्रण और सुव्यवस्थित व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान ऐसे ऑटो चालकों पर कार्रवाई की गई, जो प्लेटफॉर्म टिकट लेकर यात्रियों को लेने के लिए स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म क्षेत्र में प्रवेश कर रहे थे। जांच में कुल 11 ऑटो चालक इस तरह नियमों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनके विरुद्ध रेल अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार प्लेटफॉर्म पर अनधिकृत रूप से प्रवेश करने से यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के साथ-साथ स्टेशन पर अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है।

कार्रवाई के दौरान सभी ऑटो चालकों को रेलवे परिसर के निर्धारित नियमों का पालन करने तथा यात्रियों को लेने के लिए प्लेटफॉर्म पर प्रवेश नहीं करने की समझाइश भी दी गई। रेलवे ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए इस तरह के विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

कर्मचारियों की मुख्यमंत्री चिकित्सा बीमा योजना लागू करने की मांग

नवभारत, जबलपुर। राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा मुख्यमंत्री चिकित्सा बीमा योजना का आदेश तुरंत जारी कर प्रदेश के सभी कर्मचारियों को इसका लाभ देने की मांग की गई है ताकि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य निजी अस्पतालों में अपना इलाज करवा सकें। इस संबंध में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव सोनी ने योजना को लागू करने पर विशेष बल दिया है क्योंकि सरकारी घोषणा के बावजूद अब तक आदेश जारी नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण प्रदेश के करीब पांच लाख अधिकारी और कर्मचारी इस व्यवस्था के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। आदेश जारी होते ही इन लाखों परिवारों को बीमा कंपनी के माध्यम से निजी चिकित्सालयों में कैशलेस या आवश्यक उपचार की सुविधा मिलने लगेगी। इस मौके पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर जिला शाखा के अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने बताया कि पिछले महीने भोपाल के रविन्द्र भवन में कर्मचारियों के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना को जल्द ही लागू करने की घोषणा की गई थी। इसी सिलसिले में संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अनिल भार्गव, अनिल एडविन, के वी मेवाड़, राजकुमार चंदेल, सुभाष शर्मा और विजय रैकवार सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी शासन को मांग पत्र सौंपकर कर्मचारियों को यह लाभ जल्दी देने का आग्रह किया है।

महिला को दी प्रताड़ना, दहेज लोभियों पर प्रकरण दर्ज

जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत छितुरहा निवासी महिला को शादी के बाद से प्रताड़ित करने वाले दहेज लोभी पति, सास, ससुर, देवर के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को श्रीदेवी पटेल 38 वर्ष निवासी छितुरहा ने लिखित शिकायत की कि उसकी शादी 16 मई 2004 में सामाजिक रीति रिवाज से छितुरहा निवासी भाईसाहब पटेल के साथ हुयी थी जिससे उसके 2 बच्चे बड़ा बेटा 20 वर्ष बेटी 18 वर्ष है, शादी के बाद से ही पति भाईसाहब पटेल, सुम्मन पटेल, सास प्यारी बाई पटेल, देवर रामकेश पटेल सभी उसे शादी में कम दहेज लाने की बात को लेकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे उसे शादी में मिले सोने चांदी के गहने भी ले लिये थे। इसी बात पर ससुराल में उससे विवाद होता था। पति शराब पीकर उस पर संदेह कर झगड़ा करते थे, उसने पति की शिकायत की थी तभी से मायके में रह रही है। पुलिस ने आरोपी पति भाईसाहब पटेल, ससुर सुम्मन पटेल, सास प्यारीबाई पटेल, देवर रामकेश पटेल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

खोज

छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए विकसित की गई तकनीक

ट्रिपल आईटी के छात्रों ने तैयार किया स्मार्ट हाइब्रिड सोलर ड्रायर

नवभारत, जबलपुर। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के सस्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजी लैब में खाद्य एवं कृषि क्षेत्र के लिए डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ इंडिजिनस नोवेल स्मार्ट हाइब्रिड सोलर ड्रायर विकसित किया गया है। यह परियोजना मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के माध्यम से छोटे किसानों की आय बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना है। इस तकनीक को विकसित करने में हिमांशु पचौरी, युगल भइसारे, अमन राजपूत, अभिनव आनंद सिन्हा, राजेश चतुर्वेदी का विशेष योगदान रहा है।

विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. तुषार चौधरी ने बताया कि परियोजना के तहत विकसित हाइब्रिड सोलर ड्रायर में वैक्स चेंज मैटेरियल तकनीक का उपयोग किया गया है। सामान्य सोलर ड्रायर केवल सूर्य के प्रकाश उपलब्ध रहने तक ही कार्य करते हैं जबकि इस नई तकनीक में सूर्यास्त के बाद भी लगभग चार घंटे तक संचित ऊष्मा के माध्यम से ड्रायर कार्य करता रहता है।

कुछ इस तरह मिलेगा फायदा

विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. तुषार चौधरी के अनुसार मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्यों में कई बार किसानों को फ सलों का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। टमाटर, प्याज तथा अन्य शीघ्र खराब होने वाली उपज को इस ड्रायर के माध्यम से सुखाकर पाउडर और अन्य वैल्यू एडेड उत्पादों में बदला जा सकता है। इससे उत्पाद का संरक्षण लंबे समय तक संभव होगा और उसका बाजार मूल्य भी कई गुना बढ़ जाएगा। उदाहरण के तौर पर ताजा टमाटर की अपेक्षा टमाटर पाउडर का बाजार मूल्य कई गुना अधिक होता है जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है।

इंटरनेट के माध्यम से भी होगा ऑपरेट

शोधकर्ताओ ने बताया कि इसे कहीं से भी इंटरनेट के माध्यम से ऑपरेट किया जा सकता है जिसमें उपयोगकर्ता केवल उत्पाद का चयन करेगा और ड्रायर स्वत: निर्धारित तापमान एवं समय के अनुसार प्रक्रिया पूरी करेगा। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस परियोजना में संस्थान के बीटेक विद्यार्थियों का भी सक्रिय रूप से शोध एवं विकास कार्य में योगदान रहा है।

युवक पर किया हमला, नगदी लूटी

- लिव-इन पार्टनर ने भाई और दोस्त के साथ मिलकर की वारदात

नवभारत, जबलपुर । मदन महल में एक युवक पर उसकी लिव-इन पार्टनर द्वारा अपने भाई और साथी के साथ मिलकर हमला किया गया । तीनों ने युवक को बीच सड़क पर घेरकर न सिर्फ बेरहमी से पीटा, बल्कि भारी कड़े से मारकर उसका सिर भी फोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़ित को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इस बीच उसके पास रखे नकदी रूपये भी लूट लिए गए।

पुलिस के मुताबिक पनागर निवासी रंजीत कुशवाहा सब्जी का व्यवसाय करता है। वर्ष 2024 से वह लालमाटी घमापुर निवासी कोमल मोगरे के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा है। कोमल के माध्यम से ही उसकी जानपहचान जतिन गुज्जर और गोलू खान से हुई थी। बीती रात करीब 10 बजे कोमल ने फोन कर रंजीत को रसल चौक स्थित एक क्लब में बुलाया था। कोमल ने अपने भाई जतिन गुज्जर के साथ क्लब के अंदर एंट्री कर ली, लेकिन रंजीत अंदर नहीं गया और रसल चौक पर ही बाहर खड़ा रहा। रात करीब 1:50 बजे जब जतिन गुज्जर क्लब से बाहर निकला, तो रंजीत ने उससे घर छोड़ने का अनुरोध किया। जतिन के मना करने पर रंजीत अपने दोस्त सदान के साथ पैदल ही गौमाता चौक स्टेडियम रोड प्रेममंदिर के पास तक आ गया। इसी दौरान रात करीब 2 बजे पीछे से एक राय होकर कोमल मोगरे, जतिन गुज्जर और गोलू खान वहां पहुंच गए। रंजीत को रास्ते में रोककर विवाद शुरू कर दिया विरोध करने पर तीनों ने उसे हाथ-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। इसी बीच जतिन गुज्जर ने अपने हाथ में पहने हुए भारी कड़े से रंजीत के सिर पर बाईं तरफ और बाएं हाथ की उंगली पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में रंजीत लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। इस अफरा-तफरी और मारपीट के दौरान उसकी जेब में रखे 7,000 रुपये भी छीन लिए गए ।